साइबर क्राइम में 40 फीसदी अपराधी 18 से 30 साल के

अपराधी और शिकार दोनों ही युवा वर्ग के

इंदौर। ऑनलाइन बैंकिंग और स्मार्टफोन की दीवानगी अब बिजनेसमैन के साथ ही युवाओं के लिए भी परेशानी का सबब बन रही है। ऑनलाइन मनी ट्रांसफर और रिलेशनशिप के बढ़ते दौर में अब साइबर क्राइम के सबसे ज्यादा शिकार युवा यूजर्स बन रहे हैं। एक जरा–सी गलती युवाओं को साइबर अपराधी बना रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश के कई प्रदेशों में युवाओं के खिलाफ साइबर क्राइम के सबसे ज्यादा मामले दर्ज हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में भी साइबर क्राइम के सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं और युवा ही इस खतरनाक अपराध को अंजाम दे रहे हैं।

ऑनलाइन बैंकिंग से लेकर सोशल मीडिया तक पर बढ़ी धोखेधाजी

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी साइबर क्राइम में युवा यूजर्स के सबसे ज्यादा शामिल होने की बात कहते हैं। देश में 549 में से 221 साइबर अपराधी 30 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। वहीं 18 से 30 वर्ष की उम्र के साइबर अपराधी 240 से अधिक हैं। इसमें मप्र में 45 से ज्यादा साइबर क्राइम के अपराधी हैं। इस तरह 18 से 30 वर्ष के 40 प्रतिशत से ज्यादा युवा साइबर अपराध की ओर रूख कर रहे हैं।

शहर में बढ़ रहे सबसे ज्यादा केस

पिछले कुछ दिनों में शहर में बैंकिंग के साथ ऑनलाइन ठगी के कुछ मामले भी देखने को मिले हैं। हाल ही में पीथमपुर के एक बिजनेसमैन को लंदन की एक कंपनी ने एक सेमिनार के लिए बुलाया। वीजा और दूसरी औपरचारिकताओं के लिए बिजनेसमैन से पूरी डिटेल ली और होटल स्टे के नाम पर 50 हजार रुपए की धोखधाड़ी कर ली।

शहर के गौरव जैन को पिछले दिनों एक प्रसिद्ध वेबसाइट इसे ई-शॉपिंग वेबसाइट से 30 हजार रुपए के मोबाइल फोन खरीदी का मेसैज मिला है, जबकि उन्होंने कंपनी से कोई मोबाइल फोन की शॉपिंग ही नहीं की थी। उन्होंने तुरंत साइबर सेल में शिकायत की। इसी तरह होमगार्ड जवान शिरोमणि प्रसाद से भी पिछले दिनों बैंक अधिकारी बनकर डेबिट कार्ड के पूरे नंबर बताकर ठगों ने सीवी नंबर और पिन हासिल कर लिया। चंद मिनटों में 49 हजार अकाउंट से गायब हो गए।

रिलेशनशिप सबसे बड़ी वजह

साइबर क्राइम एक्सपर्ट रक्षित टंडन कहते हैं कि साइबर क्राइम बढ़ने के दो सबसे बड़े कारण हैं। ऑनलाइन मनी ट्रांजेक्शन और दूसरा सोशल मीडिया रिलेशनशिप। आज हर युवा जल्द से जल्द पैसा कमाना चाहता है। इसी कारण वह साइबर क्राइम का शिकार हो रहा है। कुछ युवा रिलेशनशिप ब्रेकअप होने के बाद अपने पार्टनर को बदनाम करने के लिए साइबर क्राइम कर बैठते हैं। इंदौर के यंगस्टर्स और बिजनेसमैन के साइबर क्रिमिनलों के निशाने पर हैं।

शिकायत न होने से परेशानी ज्यादा

इंदौर, भोपाल में सोशल मीडिया और साइबर क्राइम के ज्यादातर मामलों में पीड़ित शिकायत ही दर्ज नहीं कराते और साइट्स पर बने आईडी को बंद कर देते हैं। इसी के साथ अब प्राइवेसी में दखलअंदाजी भी बढ़ गई है। इसमें परिवारिक फोटो वीडियो, दोस्तों को भेजे गए संदेश व निजी जानकारियां शामिल हैं। इसी के साथ कई युवा यूजर्स किसी भी ऑफर्स और विदेशी लड़की से बातचीत करने के चक्कर में भी साइबर क्राइम के शिकार हो जाते हैं। इसमें एक लिंक क्लिक करते ही कई बार आपके कम्प्यूटर में विदेशों में बैठे हैकर्स घुसपैठ कर लेते हैं।

ये सावधानियां जरूरी

- तमाम सोशल नेटवर्किंग साइटस पर बने आईडी पर किसी भी तरह की गोपनीय जानकारी व फोटो, वीडियो आदि न रखें।
- किसी भी तरह ऑनलाइन शापिंग साइट्स पर ऑफर्स के चक्कर में खरीदारी न करें।
- ई बैंकिंग उपयोग मोबाइल या कम्प्यूटर से करने पर बैंकिंग लॉग इन प्रोफाइल पर संबंधित बैंक का अंकाउंट नंबर व पिन कोड काम हो जाने पर डिलीट कर दें।
- इसके बाद भी ठगी का शिकार हो जाते हैं तो साइबर क्राइम सेल अथवा पास के थानों में शिकायत दर्ज कराएं।

(साइबर एक्सपर्ट आईजी वरुण कपूर के अनुसार)